



# भारत का दावापत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II - खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 250] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जुलाई 10, 1975/आषाढ़ 19, 1897

No. 250] NEW DELHI, THURSDAY, JULY 10, 1975/ASADHA 19, 1897

इस भाग में भिन्न पट संलग्न की जारी है जिससे कि प्रति अलग संकलन के लिए इस भाग में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

## MINISTRY OF FINANCE

### ORDER

New Delhi, the 10th July 1975

**SO. 346(E).**—Whereas the Central Government issued order F. No. 673/93/75-Cus.VIII, dated the 1st July, 1975 under Section 3(1) of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (as amended) directing that Shri Champalal Punjaji Shah son of Punjaji Genaji, residing at Flat No. 29, Shakti Sadan, Falkland Road, Bombay-8, be detained and kept in custody in the Thana Central Jail, Thana, with a view to preventing him from smuggling goods and abetting the smuggling of goods; and

2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. The Central Government in exercise of powers under Section 7(1)(b) of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974, hereby direct the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Greater Bombay, within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[No. F. 673/93/75-Cus. VIII]  
C. T. A. PILLAI, Jt. Secy.

विस संशालय

आवेदन

नई दिल्ली, 10 जुलाई, 1975

**का० आ० 34८ (अ).**—केन्द्रीय सरकार ने, विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (प्रधासंशोधित) की धारा 3(1) के अधीन एक आदेश एफ० सं० 673/93/सीमा शुल्क VIII तारीख 1 जुलाई, 1975, जारी किया था जिसमें श्री चम्पालाल पुंजाजी शाह, सुपुत्र पुंजाजी गेनाजी, निवासी प्लैट संख्या 29, शक्ति सदन, काकलैड रोड, मुम्बई-8 को माल की तस्करी करने के और माल की तस्करी का दुष्प्रेरण करने से रोकने की दृष्टि से थाना सैन्ट्रल जेल, थाना में निरद्ध करने और अभिरक्षा में रखने का निदेश दिया था ; और

2. चूंकि केन्द्रीय सरकार को यह विश्वास करने का कारण है कि उपरोक्त व्यक्ति, इस उद्देश्य से कि आदेश का निष्पादन न हो सके, फरार की गया है या अपने को छिपा रहा है ;

3. अतः, केन्द्रीय सरकार विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 की धारा 7(1)(ब) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश करती है कि पूर्णोक्त व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के सात दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, वृहस्तर मुम्बई के समक्ष हाजिर हो ।

[सं० फा० 673/93/75—सीमा शुल्क VIII]

सी० डी० ए० पिल्ले, संयुक्त सचिव ।